छत्तीसगढ़ राज्य में बैकिंग सुविधाओ का विकास

डॉ रितु मारवाह, सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य),
शासकीय दू.ब. महिला महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

डॉ.तपेश चन्द्र गुप्ता, प्राध्यापक (वाणिज्य),
शासकीय जे. योगान्दम् छत्तीसगढ़ महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

संक्षेपिका

छत्तीसगढ़ राज्य देश में एक विशिष्ट स्थान रखता है। यह जनसंख्या के आधार पर देश का सोलहवॉ राज्य है, जिसका 76.76 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र में तथा 44.21 प्रतिशत वनांचल हैं। छत्तीसगढ़ राज्य की साक्षरता दर 70.3 प्रतिशत हैं। राज्य बनने के बाद आधारभूत संरचनाओ के विस्तार के साथ –साथ राज्य में वित्तीय सुविधाओ का भी तीव्र गति से विस्तार हुआ है । उद्योग, व्यापार, कृषि के विकास हेतु वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये बैकों का महत्वपूर्ण स्थान है। वर्ष 2018–19 में राज्य की विकास दर 7.2 प्रतिशत रही एवं बैंकिग क्षेत्र का स्थिर भाव में योगदान रूपये 10,09,903 अनुमानित रहा। राज्य गठन के पश्चात् निरंतर बैंकिग क्षेत्र में वृद्धि हो रही है वर्ष 2018–19 में बैंकों की संख्या 49 थी, इन बैंकों की 2779 शाखायें एवं 3206 एटीएम मशीन राज्य में संचालित हैं। विगत वर्षो में राज्य को वित्तीय व्यवस्थाओ के श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उत्कर्षणता प्रदान की गई, ऐसे राज्य के बैंकिग सेवा एवं सुविधाओं के विस्तार एवं संभावनाओ का अध्ययन बहुत ही रोचक एवं प्रगतिशीलता का आदर्ष स्वरूप हो सकता है कि संभावनाओ को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत शोध पत्र तैयार किया गया है।

परिचय

राष्ट्र की औद्योगिक , व्यापारिक , आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति का आधार स्तंभ बैंक होते है। उचित एवं सृजनशील बैंकिग नीतियों के द्वारा ही राष्ट्र बेरोजगारी , निर्धनता और आर्थिक विषमता जैसी समस्याओ का समाधान कर सकता है। वास्तव में राष्ट्र के विकास में बैंक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। आधुनिकीकरण का प्रभाव बैंकिग व्यवसाय पर भी हुआ है, आज बैंकिग व्यवसाय का स्वरूप भी तकनीकी विकास के कारण बदल गया है। वर्तमान समय में परंपरागत कार्य के अतिरिक्त बैंक बीमा , शेयर बाजार , आवास ऋण एवं म्युच्युल फंड आदि कार्य भी संपन्न कर रहे है।

बैंको के आधुनिकीकरण एवं सुविधाओ मे विस्तार का लाभ उपभोक्ताओ को मिल रहा है, एक ओर बैंको मे आपसी प्रतिस्पर्धा के परिणामस्वरूप उपभोक्ताओ को बेहतर सुविधाएँ मिल रही है वही आधुनिक यंत्रो के प्रयोग से काम अधिक सुविधाजनक हो गया है, जिससे लोगो के समय की भी बचत हो रही है।

अध्ययन का उद्देश्य:

1) छत्तीसगढ़ राज्य में बैंकिग क्षेत्र का अध्ययन।
2) छत्तीसगढ़ राज्य में बैंकिग क्षेत्र की वृद्धि का अध्ययन।
3) छत्तीसगढ़ राज्य में बैंकिग क्षेत्र के बढ़ते योगदान का अध्ययन।

परिकल्पना:

H1 राज्य में बैंकिग क्षेत्र का निरंतर विकास हो रहा है।

H2 बैंकिग क्षेत्र के विस्तार से राज्य में वित्तीय सेवाओ का विकास हो रहा है।

शोध प्रविधिः

प्रस्तुत शोध पत्र में द्वितीयक समंकों का प्रयोग किया गया है एवं वर्ष 2014–15 से वर्ष 2018–19 तक के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। इस हेतु राज्य की आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालानालय द्वारा प्रकाशित आर्थिक सर्वेक्षण 2018–19 एवं विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं का अध्ययन किया गया है।

राज्य में बैंकिग क्षेत्र की स्थिति

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के पश्चात् ही चौतरफा विकास हुआ। राज्य के विकास के पथ पर अग्रसर होने पर बैंक भी अपनी सेवाओं का विस्तार करती है। वर्तमान में सरकारी एंव प्राइवेट दोनों ही तरह के बैंकों का राज्य में तेजी से विस्तार हो रहा है। बैंकिग सेवाओं के नियमन एवं नियंत्रण हेतु रिजर्व बैंक एवं बैंकिग लोकपाल कार्यालय की स्थापना की गयी है जिससे राज्य में बैंकिग सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार हो रहा है। वर्तमान में सभी बड़े बैंको की शाखाएं राज्य भर में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है। राज्य में 49 व्यापारिक बैंक एवं इनकी 2779 शाखाये संचालित है । राज्य में 7 जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक भी स्थापित है एवं इनकी कुल 279 शाखाएं अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है। जून 2018 की स्थिति में 140662.29 करोड़ रु बैंको में जमा हुए, जो जून 2017 की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक रहा । वर्ष 2018–19 में राज्य के बैंकों ने 86766 करोड़ रु ऋण प्रदान किये, जिनमें से 15377.88 करोड़ रु का कृषि ऋण हैं। सितंबर 2018 के अंत तक 14,49,766 किसानों को क्रेडिट कार्ड जारी किये गये।

राज्य में अधिसूचित बैंक एवं उनकी शाखाओं की स्थिति

तालिका क्र –1
राज्य में बैंको की स्थिति

o"kZ	'kk[kk	tek jkf'k	ऋण राशि
14&15	2454	105023	67691
15&16	2635	107441	73079
16&17	2703	124013	82244
17&18	2718	125012	82054
18&19¼twu½	2779	140662	86766

ग्रॉफ क्र –1
राज्य में बैंको की स्थिति

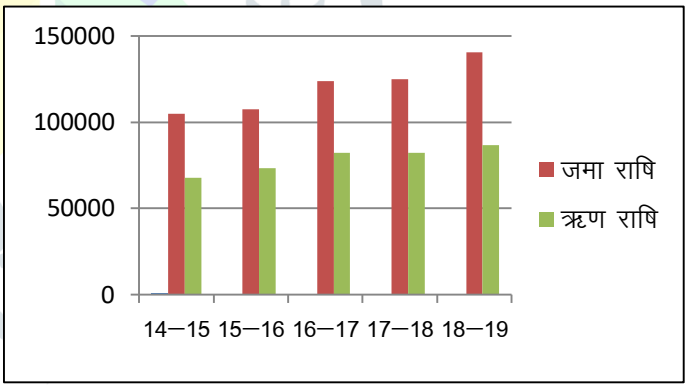

L=ksr% vkfFkZd ,oa lkaf[;dh lapkyuky;] u;k jk;iqj] NRrhlx<+

उपरोक्त तालिका एवं ग्रॉफ का अध्ययन करने से Kात होता है कि राज्य के बैंको में जमा राशि एवं ऋण राशि मे निरंतर वृ) हो रही है । वर्ष 2018–19 में ऋण राशि मे से 15377.88 करोड़ रु का कृषि ऋण, 22629.65 करोड़ रु लघु उद्योगो को एवं अन्य कमजोर वर्गो को 14337.14 करोड़ रु ऋण का प्रदान किया गया। वर्ष 2018–19 का ऋण जमा अनुपात 61.68 आंकलित किया गया जो संतोषजनक स्थिति का प्रदर्शन करता है।

बैंकिंग क्षेत्र का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (लाख)

तालिका क्र –2

वर्ष	सकल राज्य घरेलू उत्पाद
14&15	682236
15&16	776414
16&17	846050
17&18	926781
18&19	1009903

स्त्रोतः आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, नया रायपुर, छत्तीसगढ़

ग्रॉफ क्र –2

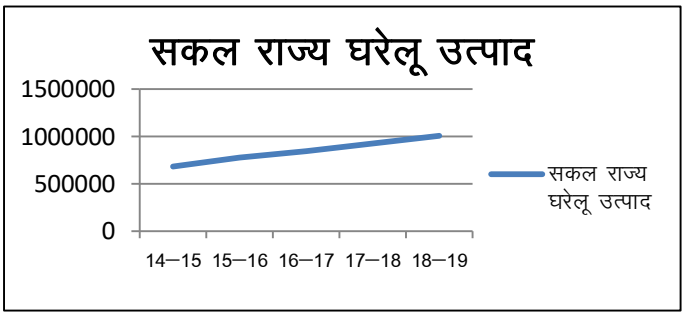

वर्ष 2014–15 में स्थिर मूल्यों पर सकल राज्य घरेलू उत्पाद का अध्ययन करने से ज्ञात होता है सकल राज्य घरेलू उत्पाद मे् वृद्धि हो रही है वर्ष 2014–15 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद 682236 लाख रूपये था, जो वर्ष 2018–19 में 1009903 लाख रूपये अनुमानित किया गया है।

बैंकिंग क्षेत्र की वृद्धि दर (प्रतिशत)

तालिका क्र –3

वर्ष	बैंकिंग क्षेत्र की वृद्धि दर
14&15	3.77
15&16	13.80
16&17	8.99
17&18	9.54
18&19	8.97

L=ोतः आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, नया रायपुर, छत्तीसगढ़

ग्रॉफ क्र –3

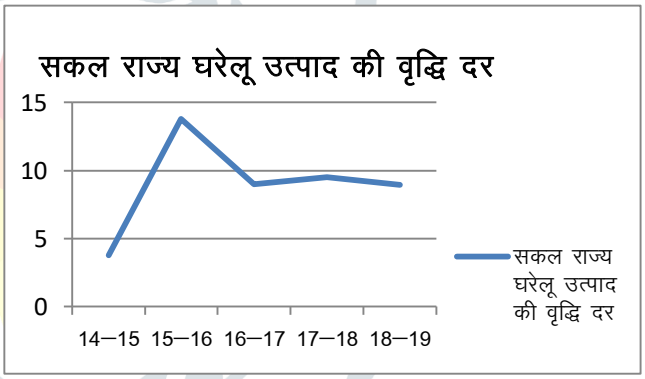

व"ी 2014–15 में स्थिर मूल्यों पर वृद्धि दर का अध्ययन करने से ज्ञात होता है कि बैंकिंग क्षेत्र में निरंतर एंव सतत् वृद्धि हो रही है व"ी 2014–15 में वृद्धि दर 3.77 प्रतिशत थी, जो व"ी 2015–16 में 13.80 प्रतिशत हो गई। व"ी 2018–19 में 8.97 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित की गयी है।

बैंकिंग क्षेत्र का योगदान (प्रतिशत)

तालिका क्र –4

वर्श	बैंकिंग क्षेत्र का योगदान
14–15	3.89
15–16	4.29
16–17	4.30
17–18	4.48
18–19	4.62

स्त्रोतः आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, नया रायपुर, छत्तीसगढ़

ग्रॉफ क्र –4

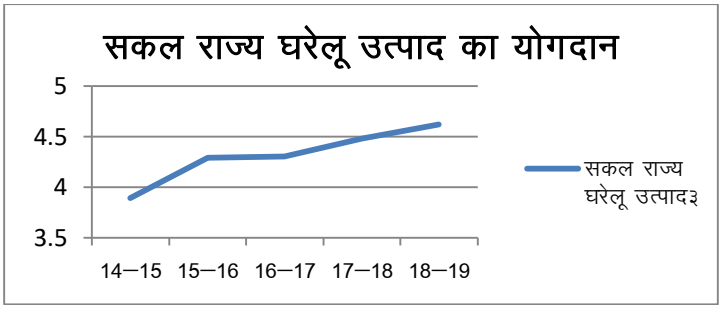

व"ा 2014–15 में स्थिर मूल्यों पर बैंकिंग क्षेत्र का योगदान 3.89 प्रतिशत था जो व"ा 2018–19 में बढ़कर 4.62 प्रतिशत अनुमानित किया गया है।

उपरोक्त समंको के अध्ययन से स्प"ट है कि राज्य में बैंकिग सेवाओं का विस्तार हो रहा है। बैंकिग क्षेत्र सेवा क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण उपक्षेत्र है जिस प्रकार संपूर्ण विश्व में सेवा क्षेत्र का निरंतर एवं अभूतपूर्व विस्तार हो रहा उसी क्रम में बैंकिग क्षेत्र में वृद्धि दिखाई दे रही है। दोनो ही परिकल्पनाएँ सत्य प्रतीत होती है। छत्तीसगढ़ राज्य चूंकि अद्योसंरचना में पिछड़े हुए राज्य की श्रेणी में आता था, अन्य सुविधाओ की तरह यहॉ बैंकिग सेवाएँ भी पर्याप्त नही थी । वर्तमान समय में राज्य में संचालित बैंको की संख्या , उनकी शाखाओं की स्थिति , साख वितरण, सकल राज्य घरेलू उत्पाद , वृद्धि दर एवं सकल राज्य घरेलू उत्पाद में बैंकिग क्षेत्र के योगदान का अध्ययन करने से स्प"ट है कि आज हमारा प्रदेष बैंकिग सुविधाओं के मामले में अत्यंत समृद्ध राज्य बनने की ओर अग्रसर है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1 मुकर्जी, रवीन्द्र नाथ. सामाजिक षोध व सांख्यिकीः विवेक प्रकाशन दिल्ली, 2008.

2 मिश्र, एस.के. एवं पुरी, व्ही.के. भारतीय अर्थषास्त्रः हिमालया पब्लिकेशन हाऊस ,2005.

3 त्रिपाठी, बद्री विशाल. भारतीय अर्थव्यवस्थाः किताब महल इलाहाबाद, 2000.

4 सिन्हा, वी.सी. व्यावहारिक अर्थशास्त्रः साहित्य भवन,2006.

5 आर्थिक सर्वेक्षण ,आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय रायपुर 2018–19

6 राज्यीय आय के अनुमान,आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय रायपुर 2018–19.

- **www.chhattisgarh.nic.in**
- **www.descg.gov.in**
- **www.chhattisgarh.gov.in**